कुछ रोचक तथ्य जो आप नवजात शिशु के बारे में नहीं जानते :

1) नवजात शिशु कक पहले मल से बदबू नहीं आती।

नवजात शिशु के पहले मल को मेकोनियम कहते हैं, यह दिखने में काला, चिपचिपा और बिना बदबू वाला होता है, क्योंकि यह रोगाणु हीन होता है और यह एमनियोटिक द्रव बलगम और त्वचा कोशिकाओं से बनता है। नवजात शिशु की आंते बैक्टीरिया हीन होती है। जैसे ही हम बच्चे को पहला आहार दूध के रूप में देते है वैसे ही आंत में बैक्टीरिया पनपने लगते है और आंते बैक्टीरिया से भर जाती है और इसके कारण धीरे धीरे मल बदबूदार हो जाता है। यह एक सामान्य प्रक्रिया है। शिशु का मल पहले एक–दो दिन काले रंग का होता है, जैसे जैसे बच्चा अच्छे से स्तनपान करता है वैसे वैसे उसका मल काले से गहरे हरे और फिर पीले रंग में परिवर्तित हो जाता है। यह संक्रमणकालीन मल एक संकेत है कि बच्चे ने दूध को पचाना शुरू कर दिया है और उनका आंत पथ सही तरीके से काम कर रहा है।

डाक्टर से कब संपर्क करें – जब भी आपके बच्चे का मल असामान्य है।

2) कभी कभी शिशु सांस लेना बंद कर देता है।

नवजात शिशु में अक्सर अनियमित श्वास पैटर्न होता है जिसे हम पीरियोडिक ब्रीदिग कहते हैं। इसमें वे तेजी से सांस लेते हैं और फिर 5 से 10 सेकंड तक सांस रोक लेते है जिसके कारण नए माता पिता चिंतित हो जाते हैं। कभी कभी जब बच्चे रोते हैं तो 60 बार तक एक मिनिट में सांस ले सकते है। यह एक सामान्य प्रक्रिया है।

डाक्टर से कब संपर्क करें – यदि बच्चा ज्यादा लंबे समय तक सांस ना ले या नीला पड़ जाये। और यदि माता पिता को बच्चे को सांस लेने में तकलीफ दिखे तो यह गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है, इसलिये तुरंत अपने डाक्टर से संपर्क करें।

3) नवजात शिशु में स्वाद कलिकाएँ सामान्य जगह के साथ साथ टोनसिल्स पर भी पायी जाती हैं |

जन्म के समय शिशुओं में लगभग 10 हजार स्वाद कलिकाएँ होती हैं जो की छोटे बच्चों और वयस्कों के बराबर ही होती हैं, बस इसमें एक ही अंतर हैं की ये स्वाद कलिकाएँ नवजात शिशुओं की जीभ, मुंह की ऊपरी सतह, गले की परत, गलें के पीछे वालें भाग और टोनसिल्स पर भी पायी जाती हैं | जन्म के बाद शिशु मीठा, खट्टा और कड़वे का स्वाद पहचान सकता हैं, पर जन्म के पांच महीनों तक वो नमकीन या खारें का स्वाद समझ नहीं पाता | नवजात शिशु मीठा पसंद करते हैं और यहीं कारण हैं की, उन्हें स्तन के दूध का स्वाद पसंद हैं और यह उनके जीवित रहने के लिए आवश्यक हैं | इसी के साथ वह यह समझते हैं की कड़वा और खट्टा स्वाद उनके लिए हानिकारक हैं | गर्भ में शिशु की स्वाद कलिकाएँ विकसित हो जाती हैं और शिशु ऐम्नीओटिक द्रव्य के माध्यम से माँ जो भी खाती हैं उसका स्वाद ले सकता हैं और बच्चे स्वाद की अधिक विकसित भावना के साथ हीपैदा होते हैं। जब वह ठोस आहारलेना शुरू करते हैं, तो उन खाद्य पदार्थों को पसंद कर सकते हैं जोउनकी माँ ने गर्भावस्था होने के दौरान खाया था |

4) नवजात शिशु बिना आंसू के रोते हैं |

जन्म के बाद भी शिशुओं की आंसू नलिकाएं विकसित हो रही होती हैं और उनके लिए पहले कुछ महीनों तक आंसू ना बहना सामान्य बात हैं |

डाक्टर से कब संपर्क करें – जब आंसू नलिकाएं बंद हो जाती है तो आंसू ठीक से नहीं निकलते और पिला स्त्राव हो सकता हैं और यदि ऐसी तकलीफ हो तो तुरंत दिखाये।

नवजात शिशु देर दोपहर और शाम के समय अधिक रोते हैं, जिसका कोई ठोस कारण नहीं होता और आप उसके लिए ज्यादा कुछ नहीं कर सकते | अधिकत्र शोध बताते हैं की शिशु 6-8 हफ्ते से 3 महीने तक अधिक रोते हैं इस क्रायकर्व कहते हैं |परन्तु अभी नये शोध ये बताते है कि बच्चा छः माह से अधिक भी रो सकते है।

5) शिशु कि छाती (Breast) में गाँठ

शिशुओं के ब्रैस्ट में गाँठ बनना एक नार्मल समस्या है| जन्म के 3-4 दिन बाद शिशु के ब्रैस्ट में बदलाव दिख सकता है,इसमें घबराने कि बात नहीं है यह अपने आप ठीक हो जाता है और ये नवजात बालक या बालिका किसी में भी दिख सकता हैं| सूजन के साथ-साथ कभी-कभी इसमें से दूध भी निकल सकता है, यह भी समान्य है| सूजन को ज्यादा छूना नहीं चाहिए और दूध को दबा कर निकालना भी नहीं चाहिए, ऐसा करने से समस्या बढ़ सकती है| यह एक होर्मोनल समस्या है जो गर्भवती माँ के शरीर में हुए एस्ट्रोसिन होर्मोन के रिसाव से होता है क्योंकि माँ का शरीर स्तनपान के लिए तैयार हो रहा है| इसी हॉर्मोन के कारण कभी- कभी नवजात लड़कियों में लाल रंग का वेजायनल डिस्चार्ज होता है जो 3-4 दिन में ठीक हो जाता है|

डाक्टर से कब संपर्क करें -शिशु के ब्रैस्ट कि गाँठ कम नहीं हो रही हो या उसे तेज़ बुखार हो

6) <u>नवजात को दाहिनी ओर सिरकरना पसंद है</u>

आमतोर पर 85% नवजात शिशु पीठ के बल लेटते समय अपना सिर दाएं ओर रखना पसंद करते हैं और 15% शिशु ही बाएं ओर सिर रखते है| इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है पर ऐसा लगता है यह जीन से सम्बंधित है जैसे डिंपल पड़ना जीन पर निर्भर होता है और यह एक कारण हो सकता है कि अधिकतर लोग दाएं हाथ उपयोग करने वाले होते हैं|

7) <u>नवजात शिशुओं में मस्तिष्क की कुछ कोशिकाएं अधिक होती है</u>

एकनवजात शिशु 100 अरब न्यूरोन के साथ पैदा होता है| बुनियादी मस्तिष्क कोशिकाएँ सभी प्रमुख कार्यों के लिए जिम्मेदार होती है जैसे:- सोचना, महसूस करना, सांस लेना, चलना आदि| शिशु का दिमाग एक साल के भीतर दो गुने आकार का हो जाता है, इनमे से अधिकतर न्यूरोन अगर ख़तम होते है तो नए नहीं बनते इसी कारण बड़ो में ये न्यूरोन बच्चों कि तुलना में कम होतें हैं| जैसे-जैसे बच्चा बड़ा होता है यह कोशिकाएँ कम होती हैं और घनिष्ट होती है जिससे बच्चे कि एकाग्रता बढती है परइसके कारण बच्चे कि रचनात्मकता में भी कटोती होती है|

8) नवजातबालकमेंइरेक्शनहोताहै

यहलड़कोमेंहोताहैऔरयेबिलकुलसामान्यबातहै|

इसकाकोईस्पष्टकारणतोनहींपताहैपरयहअक्सरपेशाबकरनेकेबिलकुलपहलेयाडायपरबदलतेस मयहोताहै|एक तरह से ये चेतावनी है कि डायपर बदलते समय इसेढक ले नहीं तो आप गीले हो सकते है।

जन्मकेसमयबच्चेकापेनिसबड़ाऔरनीलादिखसकताहैजोकिसामान्यबातहैऔरइसकाकारणमाँके होर्मोनयाप्रोलोंग्डलेबरहोसकताहै|

9) **नवजातशिशुखुदकोडरासकतेहैं**

मोरोरिफ्लेक्सयास्टार्टलरिफ्लेक्सएकसामान्यतरीकाहैजिससेनवजातशिशुतेजध्वनी,तीव्रप्रकाशया एकदमझटकेकेप्रतिउत्तेजित होता है और ऐसीप्रतिक्रियाकरताहै| यहजन्मसेपहलेहीशिशुमेंविकसितहोजाताहैऔरआमतौरपर 2-6 महीनेतकरहताहै| इसमेंशिशुचौंकादेनेवालादिखेगाऔरहथेलियाँऊपरकिओरतथाअंगूठेमुड़ेहुएहोनेकेसाथबाहेंबाहर किओरहोंगी| इसमेंबच्चाएकतरहसेअपनेआपकोगिरनेसेबचानेकेलिएप्रतिक्रियाकरताहै| यहरिफ्लेक्सइसलिएविकसितहुआहोगाकिजिससेबन्दरकेबच्चेकिमाँचौकन्नीहोजाएकीउसकाब च्चाअसंतुलितहोकरगिरसकताहैऔरवहउसेगिरनेसेबचाले|

10) कुछ जन्म चिन्ह अपने आप गायब हो जाते हैं

करीब 75-80% शिशु बर्थ मार्क (जन्म चिन्ह) के साथ पैदा होते हैं| यह शिशु कि त्वचा पर मौजूद किसी छोटे से धब्बे कि तरह होता है और यह बहुत कॉमन है| इसको लेकर माता-पिता को परेशान होने कि कोई आवश्यकता नहीं है और इसके लिए किसी प्रकार के उपचार कि जरुरत नहीं है| यह जन्म चिन्ह शिशु के चेहरे या शरीर के किसी भी अंग पर हो सकते हैं और हर शिशु में इसका रंग-रूप, नाप, आकार अलग-अलग हो सकता है| जन्म चिन्हों को होने से रोका नहीं जा सकता और ये क्यों बनते हैं इसका कोई स्पष्ट कारण अब तक पता नहीं चल पाया है|

कुछ जन्म चिन्ह स्थायी होते हैं जो समय के साथ में बड़े हो सकते हैं और कुछ अस्थायी होते हैं

जो समय के साथ पूरी तरह से खुद-ब-खुद गायब हो जाते हैं|

जैसे:- **सटीर्क बायटस (सारस का काटना):**-यह आमतौर पर सिर, पलकों, नाक और गर्दन के पीछे वाले हिस्से में गुलाबी, लाल या बैंगनी रंग के निशान होते हैं, जो कि समय के साथ ख़त्म हो जाते हैं|

मंगोलियन स्पॉट्स:-यह डार्क नीले स्याही रंग के होते है जो आमतौर पर कमर के निचले हिस्से या कुल्हे पर पाए जाते हैं और 4-5 साल कि उम्र होते- होते अपने आप फीके होकर गायब हो जाते हैं|

हेमेनजियोमा:-यह चटकदार लाल रंग का होता है और ये तेज गति से बढ़ रही रक्त धमनियों के कारण होता हैऔर यह आमतौर पर सिर या गर्दन पर होता है। यहजन्म चिन्ह शिशु के जन्म के कुछ हफ़्तों बाद दिखते हैं और ख़त्म होने में कुछ वर्ष भी ले सकता है |